

عارف آل سنبل

سيد الوادي المقدّس  
عبد الوهاب عليه السلام

www.ketabo.ir

|                     |                                                         |
|---------------------|---------------------------------------------------------|
| سرشناسه             | : آل سنبل، عارف                                         |
| عنوان و نام پدیدآور | : سیدالوادی المقدس عبدالمطلب علیه السلام/ عارف آل سنبل. |
| مشخصات نشر          | : قم: طلیعه النور، ۱۳۹۲.                                |
| مشخصات ظاهری        | : ۲۳۰ ص.                                                |
| شابک                | : 978-964-2560-95-0                                     |
| وضعیت فهرست نویسی   | : فبا                                                   |
| یادداشت             | : عربی.                                                 |
| یادداشت             | : کتابنامه: ص. ۳۰۷-۳۱۹؛ همچنین به صورت زیرنویس.         |
| موضوع               | : عبدالمطلب بن هاشم (ع)، ۱، ۲۷.                         |
| رده بندی کنگره      | : ۱۳۹۲ س ۹/۷/۲۵ BP۲۵                                    |
| رده بندی دیویی      | : ۲۹۷/۹۳۱                                               |
| شماره کتابشناسی ملی | : ۲۴۳۳۲۰۸                                               |

کتاب: سید الوادی المقدس عبدالمطلب ﷺ

المؤلف: عارف آل سنبل

الناشر: طلیعه نور

المطبعة: گلوردي

الطبعة: الأولى / ۱۳۹۲

الكمية: (۱۰۰۰) نسخة

ISBN: 978 - 964 - 2560 - 95 - 0

جميع الحقوق محفوظة

## المحتويات

|                             |    |
|-----------------------------|----|
| الإهداء                     | ٥  |
| بين يدي الجلال              | ٧  |
| الباب الأول: ولادة ونشأة    | ١١ |
| الفصل الأول: ولادة مباركة   | ١٣ |
| الوالدان الجليلان           | ١٣ |
| والده العظيم                | ١٣ |
| أمّه المنتجة                | ١٦ |
| الولادة الميمونة            | ١٧ |
| اسمه الشريف                 | ١٨ |
| ألقابه المباركة             | ١٩ |
| مع الواصفين لعبد المطلب     | ٢٠ |
| الفصل الثاني: نشأة سالحة    | ٢٣ |
| أيام الصبا                  | ٢٣ |
| أ- أخذه على حين غفلة من أمه | ٢٥ |
| ب- أخذه بعد استئذانه من أمه | ٢٦ |
| ج- أخذه بعد محاوره مع أمه   | ٢٦ |
| وعاد إلى مكة                | ٢٨ |

|    |                                                  |
|----|--------------------------------------------------|
| ٢٩ | الزواج المبارك.....                              |
| ٣١ | الباب الثاني: رائد الكمالات.....                 |
| ٣٣ | الفصل الأول: معالم التوحيد عند شيخ الموحدين..... |
| ٣٣ | شيخ الموحدين.....                                |
| ٣٤ | معالم التوحيد عند عبدالمطلب.....                 |
| ٣٤ | أولاً: الروايات الصريحة.....                     |
| ٣٥ | ثانياً: صريح أقوال المؤرخين.....                 |
| ٣٨ | ثالثاً: دلائل الأفعال.....                       |
| ٤١ | رابعاً: استجابة السماء لدعائه.....               |
| ٤٣ | الفصل الثاني: باقي الحجيج وبثر زمزم.....         |
| ٤٣ | زمزم.....                                        |
| ٤٤ | الرؤيا الصادقة.....                              |
| ٤٥ | العزم والإصرار.....                              |
| ٤٦ | الكنز المدفون.....                               |
| ٤٨ | عبدالمطلب والقرعة.....                           |
| ٥٠ | وجاءت التهاني.....                               |
| ٥١ | سقاية الحجيج.....                                |
| ٥٣ | الباب الثالث: قداسة القربان وفداء السماء.....    |
| ٥٥ | الفصل الأول: قصة الذبح.....                      |
| ٥٥ | ١- ربط النذر بحفر بثر زمزم.....                  |
| ٥٦ | ٢- ما تذكر النذر فقط.....                        |
| ٥٦ | ٣- ربط النذر بموقف شخصي.....                     |
| ٥٨ | وحمل سنه وسن الذبح.....                          |

|    |                                              |
|----|----------------------------------------------|
| ٥٨ | ١- حمل عبدالله لنور النبي ﷺ                  |
| ٥٩ | ٢- اجتماع قريش على منعه                      |
| ٦٣ | رواية مختصرة                                 |
| ٦٤ | تعقيب مهم                                    |
| ٦٤ | - وضوح الجنة الإلهية                         |
| ٦٤ | - التحريف المتعمد                            |
| ٦٦ | كلمة لا بد منها                              |
| ٦٦ | الأول: قدام خاصة                             |
| ٦٧ | الثاني: سبعة قدام                            |
| ٦٧ | الثالث: قدام الميسر                          |
| ٦٨ | أين يقر عمل عبدالمطلب؟                       |
| ٦٩ | ماذا عمل عبدالمطلب؟                          |
| ٧٣ | الفصل الثاني: قدسية الحدث                    |
| ٧٣ | قدسية الحدث                                  |
| ٧٤ | أولاً: الافتخار النبوي                       |
| ٧٦ | ثانياً: التخليد الإلهي للفداء                |
| ٧٦ | وقفة تأمل                                    |
| ٧٧ | مناقشة لتعليق                                |
| ٨٣ | الأثار العظيمة لقربان عبدالمطلب              |
| ٨٧ | الباب الرابع: إشراف النبوة في رحاب عبدالمطلب |
| ٨٩ | الفصل الأول: عندما أشرق نور النبي ﷺ          |
| ٨٩ | آمنة وهالة                                   |
| ٩٢ | وجاءت بشارة الأنبياء                         |
| ٩٤ | ساعة الولادة                                 |

- ٩٦ ..... أين كان والد النبي ؟
- ٩٦ ..... أ- السفر
- ٩٧ ..... ب- الموت
- ٩٩ ..... الفصل الثاني: مع النبي ﷺ في نشأته
- ٩٩ ..... الأولى: الرضاعة والحضانة
- ٩٩ ..... الثانية: في كنف أمته
- ١٠٠ ..... الثالثة: تفرد عبدالمطلب
- ١٠٠ ..... الرضاعة الميمونة
- ١٠٠ ..... رتازعت المضعات
- ١٠٢ ..... وقفة مع السيرة المحرفة
- ١٠٣ ..... وجاءت ساعة العمرة
- ١٠٤ ..... في حضن أمته
- ١٠٧ ..... الفصل الثالث: قصص نبوية
- ١٠٧ ..... مرض النبي ﷺ في صغره
- ١٠٨ ..... إجلاله للنبي ﷺ
- ١١٠ ..... بشائر النبوة ودلائلها
- ١١١ ..... التماس عبدالمطلب لبركات النبي ﷺ
- ١١٣ ..... الباب الخامس: ألم تر كيف فعل ربك ؟
- ١١٥ ..... الفصل الأول: ما الذي حرّك جيش أبرهة ؟
- ١١٥ ..... ملوك عاصرهم عبدالمطلب
- ١١٥ ..... أولاً: ذو نواس اليهودي
- ١١٦ ..... ثانياً: ملوك دولة الأحباش
- ١١٦ ..... مدة الحكم
- ١١٧ ..... سيف ذو ياروق

|     |                                        |
|-----|----------------------------------------|
| ١١٧ | أبرهة الحبشي                           |
| ١١٨ | شخصية أبرهة                            |
| ١٢١ | أسباب تحرك أبرهة الأشرم                |
| ١٢٢ | أولاً: الروايات تحكي سبب التحرك        |
| ١٢٢ | الرواية الأولى                         |
| ١٢٣ | تعقيب                                  |
| ١٢٥ | الرواية الثانية                        |
| ١٢٦ | تعقيب                                  |
| ١٢٧ | ثانياً: وللمؤرخين تحليل آخر            |
| ١٢٨ | معرض التحليل                           |
| ١٣٠ | وقفه مع الدكتور حسين مؤنس              |
| ١٣٥ | وقفه تأمل                              |
| ١٣٥ | إجابة لتساؤل مرتقب                     |
| ١٣٦ | نقطة مثيرة                             |
| ١٣٩ | الفصل الثاني: وجاء أبرهة بجيشه         |
| ١٣٩ | جيش أبرهة                              |
| ١٤١ | وسار أبرهة بجيشه                       |
| ١٤١ | الموقف الأول: مع ذي نفر                |
| ١٤٢ | الموقف الثاني: مع الشعراء              |
| ١٤٣ | الموقف الثالث: مع نفيل بن حبيب الخثعمي |
| ١٤٤ | الموقف الرابع: وفي الطائف حديث         |
| ١٤٦ | الموقف الخامس: ونزلوا المغمس           |
| ١٤٦ | رسول أبرهة لمكة المكرمة                |
| ١٤٧ | طلائع جيش أبرهة                        |

|     |                                   |
|-----|-----------------------------------|
| ١٥١ | الفصل الثالث: إن للبيت رباً يحميه |
| ١٥١ | وجاء عبدالمطلب                    |
| ١٥٢ | وقفة تأمل                         |
| ١٥٣ | اللقاء بأبرهة                     |
| ١٥٤ | محاولة أبرهة إرهاب عبدالمطلب      |
| ١٥٥ | الحديث المتبادل بين الطرفين       |
| ١٥٥ | الرواية الأولى                    |
| ١٥٦ | الرواية الثانية                   |
| ١٥٧ | نذير القوم                        |
| ١٥٨ | وقفة تأمل                         |
| ١٥٩ | روايات فيها نظر                   |
| ١٦٠ | عن أبيات                          |
| ١٦٢ | وعاد عبدالمطلب مذبذباً            |
| ١٦٥ | وربض الفيل                        |
| ١٦٥ | ولاذ عبدالمطلب بالبيت             |
| ١٦٩ | الطير الأبايل                     |
| ١٦٩ | وقفة مع كلمة (أبايل)              |
| ١٧٠ | وقفة مع الطير                     |
| ١٧٢ | والحجارة من سجيل                  |
| ١٧٣ | الانتقام الإلهي                   |
| ١٧٤ | تطلع عبدالمطلب وحصاده             |
| ١٧٤ | تطلعه                             |
| ١٧٤ | حصاده                             |
| ١٧٧ | الفصل الرابع: هوامش لا بد منها    |

|     |                                                    |
|-----|----------------------------------------------------|
| ١٧٧ | وقفه مع المشككين                                   |
| ١٧٨ | الأهمية الدينية للكعبة المشرفة                     |
| ١٨١ | الأهمية الاقتصادية للبيت الحرام                    |
| ١٨٢ | الأهمية الاجتماعية                                 |
| ١٨٢ | المنافسون لبيت الله عز وجل                         |
| ١٨٥ | متى كان عام الفيل؟                                 |
| ١٨٦ | التعارضات التاريخية                                |
| ١٩٠ | محصلة البحث                                        |
| ١٩١ | الباب السادس: مقاماته الإلهية                      |
| ١٩٣ | الفصل الأول: حجة الله                              |
| ١٩٣ | حيزة المفكرين في عهد المطلب                        |
| ١٩٥ | حجة الله                                           |
| ١٩٦ | ما المقصود بالحجة؟                                 |
| ١٩٦ | مع علماء اللغة                                     |
| ١٩٧ | مع علماء العقيدة                                   |
| ١٩٧ | الشيخ المازندراني <small>رحمته</small>             |
| ١٩٨ | السيد علي الميلاني حفظه الله                       |
| ١٩٨ | الشيخ محمد طاهر آل الشيخ راضي <small>رحمته</small> |
| ١٩٩ | الشيخ الطريحي <small>رحمته</small>                 |
| ١٩٩ | المستفاد من الروايات                               |
| ٢٠٠ | شبهة الحمد حجة السماء                              |
| ٢٠٠ | صريح الروايات                                      |
| ٢٠٣ | الفصل الثاني: شواهد الاجتباء لحجة السماء           |
| ٢٠٤ | ١- إجابة الدعاء بسقيا السماء                       |

|     |                                      |
|-----|--------------------------------------|
| ٢٠٥ | الحادثة الأولى                       |
| ٢٠٥ | الحادثة الثانية                      |
| ٢٠٧ | تعقيب (١)                            |
| ٢٠٨ | تعقيب (٢)                            |
| ٢٠٨ | ٢- كرامة السماء بتفجير الماء         |
| ٢٠٩ | الحادثة الأولى                       |
| ٢١٢ | تعليق (١)                            |
| ٢١٢ | تعليق (٢)                            |
| ٢١٣ | الحادثة الأخرى                       |
| ٢١٦ | ٣- رهاهم الله بعيدالمطلب             |
| ٢١٨ | وقفة تأمل                            |
| ٢١٩ | الإكفالة العقدية                     |
| ٢٢٢ | ٤- دفع البلا بطلب الدعاء             |
| ٢٢٥ | الفصل الثالث: تمجيد السماء عبدالمطلب |
| ٢٢٥ | أولاً: عبدالمطلب في القرآن           |
| ٢٢٥ | ١- السور                             |
| ٢٢٦ | ٢- الآيات                            |
| ٢٢٧ | ثانياً: يحشر عبدالمطلب أمة واحدة     |
| ٢٣٠ | مع مصادر العامة                      |
| ٢٣٣ | أول من قال بالبداء                   |
| ٢٣٣ | ١- الروايات الواردة                  |
| ٢٣٤ | تعليق                                |
| ٢٣٥ | ٢- أخبار التاريخ                     |
| ٢٣٧ | إضاءة للحدث                          |

|     |                                         |
|-----|-----------------------------------------|
| ٢٣٩ | الباب السابع: رجل الحضارة وبطل المواقف  |
| ٢٤١ | الفصل الأول: الدور الحضاري              |
| ٢٤١ | أولاً: المعطيات التاريخية له ولآبائه    |
| ٢٤٤ | وقفات تأملية في أعمالهم                 |
| ٢٤٦ | ثانياً: الدور التمهيدي للدعوة النبوية   |
| ٢٤٨ | ثالثاً: حلف خزاعة                       |
| ٢٥١ | رابعاً: مظاهر السيادة والقيادة          |
| ٢٥٥ | الفصل الثاني: اللقاء مع سيف بن ذي يزن   |
| ٢٥٥ | من هو سيف بن ذي يزن؟                    |
| ٢٥٦ | الإمكانيات التاريخية                    |
| ٢٥٧ | مصادر الرواية                           |
| ٢٥٨ | زمن الوفاة                              |
| ٢٥٩ | الحدث بين الإيجاز والاطِّلاع            |
| ٢٦٠ | الرواية المفصلة                         |
| ٢٦٢ | رأي وتعقيب                              |
| ٢٦٢ | رأي في الرواية والحدث                   |
| ٢٦٣ | تعقيب ومناقشة                           |
| ٢٦٧ | الفصل الثالث: مقتطفات من مكارمه ومواقفه |
| ٢٦٧ | الشميم الشريفة                          |
| ٢٦٩ | الحلم والأنفة                           |
| ٢٦٩ | وكان عمله منهاجاً يقتدى به              |
| ٢٧١ | السخاء والعطاء                          |
| ٢٧٣ | الفصل الرابع: نماذج من شعره             |
| ٢٨٥ | الباب الثامن: وأذنت الشمس بالمغيب       |

|     |                                          |
|-----|------------------------------------------|
| ٢٨٧ | الفصل الأول: خاتمة المطاف مع النبي       |
| ٢٨٧ | الاهتمام بمستقبل النبي ﷺ                 |
| ٢٨٨ | وكفله أبو طالب                           |
| ٢٩١ | وداع النبي ﷺ لجده                        |
| ٢٩٣ | الفصل الثاني: من الوداع إلى الرحيل       |
| ٢٩٣ | وبكت بناته قبل الرحيل                    |
| ٢٩٦ | ولملمت الشمس خيوطها                      |
| ٢٩٦ | عمره الشريف                              |
| ٢٩٧ | السيرة الحلبية                           |
| ٢٩٧ | عيون الأثر                               |
| ٢٩٨ | شهر وفاته                                |
| ٢٩٨ | موضع قبره                                |
| ٢٩٩ | الفصل الثالث: بعد الطاب في قوافي الشعراء |
| ٢٩٩ | المراثي                                  |
| ٣٠٣ | شبية الحمد                               |
| ٣٠٥ | الخاتمة                                  |
| ٣٠٧ | المصادر                                  |
| ٣٢١ | المحتويات                                |